बुधवार

20 अगस्त 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 195
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बिना प्रश्न काल सत्र का समापन

❑हंगामे से शुरू 4 दिन का सत्र, 2 दिन में निपटा

विशेष संवाददाता

भराड़ीसैण। सूबे की कानून व्यवस्था को लेकर हंगामे के साथ कल भराड़ीसैण में शुरू हुआ चार दिवसीय विधानसभा सत्र आज दूसरे दिन ही इस मुद्दे पर हंगामे के साथ ही निपट गया। इस सत्र में दो दिनों में प्रश्नकाल तक में किसी एक सवाल का जवाब मिलना तो दूर कानून व्यवस्था पर भी सरकार चर्चा को तैयार नहीं हुई। इसके विपरीत आज भाजपा के मंत्री और विधायक भी विपक्ष के हंगामे का जवाब हंगामे से देने के लिए विरोध और प्रदर्शन पर उतर आए।

उल्लेखनीय है कि विपक्ष द्वारा बीते कल विधानसभा अध्यक्ष से कामकाज रोक कर नियम 310 के तहत कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने की मांग की गई थी जिसे अध्यक्ष ऋतु खंडूरी द्वारा नकार दिया गया था। विपक्ष की मांग थी कि सरकार पंचायत चुनाव के दौरान हुई अराजक वारदातों और बढ़ते अपराधों पर चर्चा कराये जब उनकी मांग को नहीं माना गया तो फिर विपक्ष भी इस बात पर अड़ गया कि वह चर्चा से पूर्व सदन में कोई काम नहीं होने देगा। कल इस मुद्दे पर पूरा दिन गहमागहमी में बीत गया।

सरकार के रवैये से नाराज कांग्रेसी विधायक भी रात भर सदन में डेरा जमाये रहे लेकिन आज दूसरे दिन भी वैसी ही स्थिति बनी रही। कई बार विधानसभा की कार्यवाही बाधित होने के बाद भी जब कोई समाधान निकलता नहीं दिखा तो सरकार ने अनुपूरक बजट

●विपक्ष ने कहा अपराधियों को पुलिस व सरकार का संरक्षण, कानून व्यवस्था पर चर्चा को सरकार तैयार नहीं

सहित सभी नौ विधेयक बिना चर्चा के पास कर दिए लेकिन उसे सदन की कार्रवाई भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करनी पड़ी।

सत्र की समाप्ति के बाद मीडिया ने जब खटीमा के विधायक व विपक्ष के उपनेता भुवन कापड़ी से बात की तो उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सूबे में खुलेआम गुंडे बदमाश घूम रहे हैं जिन्हें पुलिस और सरकार का संरक्षण प्राप्त है। जब से भाजपा की सरकार बनी है सूबे में महिलाओं के साथ अनाचार दुराचार के मामले बंढ़ गए हैं।

उन्होंने कहा इनमें आरोपी अधिकांश भाजपा के नेता हैं। चंपावत की बात हो या फिर हरिद्वार की हो या सल्ट की हो अंकिता भंडारी केस में सरकार आरोपियों को बचा रही है उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के दौरे के समय दून में डकैती हो जाती है, हरिद्वार में होती है जो अभी तक नहीं खुली है। नशे का व्यापार फल फूल रहा है अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं व पुलिस संरक्षण में नैनीताल में पुलिस के सामने अपहरण हो जाता है पुलिस मूक दर्शक बनी रहती है। उन्होंने कहा कि सरकार हमारे सवालों से क्यों डर रही है? पहले सरकार कानून व्यवस्था पर चर्चा को तैयार होती अगले दिन हम आपदा पर चर्चा करते।

सरकार गैरसैण में सैर सपाटे के लिए आती है चार दिन का सत्र 2 दिन में समाप्त हो जाता है। सारा बिजनेस निजी हाथों में दे दिया है नौकरियों के लिए 11 महीने का बाण्ड करते हैं 7 महीने की तनख्वाह खा जाते हैं। रोजगार दूसरे राज्य के लोगों को दे रहे हैं गांव-गांव शराब पहुंचा दी गई है सरकार निरंकुश हो गई है नेता व अधिकारी सुरक्षित नहीं है आम आदमी की सुरक्षा क्या होगी?

दून वैली मेल

संपादकीय

देवभूमि में बिहार वाली राजनीति

आपने मोदी है तो मुमकिन है यह नारा तो जरुर सुना होगा। लेकिन अब इसे आप ऐसे भी समझ सकते हैं कि भाजपा है तो मुमकिन है। उत्तराखंड राज्य में हुए पंचायत चुनाव में आप सभी ने जिस तरह की तस्वीरें देखी क्या ऐसी तस्वीरे राज्य बनने से पूर्व कभी देखी गई थी या पंचायत चुनाव से पूर्व कभी देखी थी? शायद कभी नहीं देखी होगी। लेकिन यह सब अब मुमकिन हो गया है। पुलिस की मौजूदगी में नैनीताल से 14 अगस्त को पांच विजयी जिला पंचायत सदस्यों का हथियारबंद कुछ लोगों द्वारा अपहरण कर लिया जाता है। शासन-प्रशासन और राजनीतिक हलको में हड़कंप मच जाता है। हाईकोर्ट भी उनके अपहरण से चिंतित होता है और पुलिस को उनकी बरामदगी के आदेश दिए जाते हैं। मगर सूबे की मित्र पुलिस इन्हें कहीं ढूंढ नहीं पाती है। घर वाले भी परेशान होते हैं और थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं लेकिन दो दिन बाद यह तथाकथित पंचायत सदस्य खुद ही एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देते हैं कि जिसमें वह अपने अपहरण की पूरी कहानी को गलत बताते हुए अपने घूमने जाने की बात करते हैं। एक तरफ अपहरण का वीडियो दूसरी तरफ उनके द्वारा डाला गया वीडियो देखकर सभी हैरान रह जाते हैं। जो लोग इन्हें उठा कर ले गए थे वह यह कहते नजर आते हैं कि हमने उत्तराखंड को बिहार बना दिया। अपहरण का केस लिखवाने गए नेता विपक्ष यशपाल आर्य सहित अन्य लोगों के खिलाफ भाजपा के नेता भी क्रॉस एफआईआर दर्ज करा देते हैं। क्या प्रदेश के लोगों ने किसी भी चुनाव में इस तरह का हाईटेक ड्रामा देखा था जिसमें पुलिस प्रशासन और नेता सभी एक कतार में इस तरह खड़े देखे गए हो। यह मामला हाईकोर्ट ने जिस गंभीरता से लिया गया उसने पुलिस व प्रशासन पर भी कई सवालिया निशान तो लगे हैं ही साथ ही उन पंचायत सदस्यों जिनके अपहरण का यह ड्रामा सामने आया था उनकी नेतागिरी पर भी अब कोर्ट से लेकर आम जनता तक सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का एक वीडियो भी जारी हो गया जिसमें एक भाजपा कार्यकर्ता गोली चलने की बात कर रहा है तो महेंद्र भट्ट कहते हैं कि चुनाव में गोलियां तो चलती ही रहती है। इस वीडियो को अब भट्ट ने ऑडिट बताया है तथा अपहृत पंचायत सदस्य भी अपने वीडियो को ऑडिट बता रहे हैं। यही नहीं अब इस अपहरण की कहानी में जिला पंचायत सदस्यों के पैसों के लेनदेन की बात भी सामने आ रही है। खास बात यह है कि हाई कोर्ट के निर्देश के बाद भी इसका चुनाव परिणाम घोषित कर दिया गया है और भाजपा प्रत्याशी एकमत से यह चुनाव भी जीत गई है। इस पूरे प्रकरण को लेकर भले ही प्रदेश भर में भाजपा की छीछालेदरी हो रही हो और विपक्ष विधानसभा में कुर्सियों और मेजों को तोड़ रहा हो लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इसे सत्य की जीत बता रहे हैं जबकि विपक्ष के नेता वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे सदन के अंदर बाहर लगा रहे हैं? क्या प्रदेश के लोगों ने इससे पूर्व ऐसा कभी देखा था जी नहीं। कभी नहीं यह सब कुछ देवभूमि में पहली बार ही हो रहा है जो यह बताने के लिए काफी है कि देवभूमि की राजनीति किस दिशा में जा चुकी है और अब आगे क्या होने वाला है पता नहीं लेकिन पिक्चर अभी भी बाकी है।

कांग्रेसजनों ने स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनको दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेसजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनको पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां आधुनिक भारत के निर्माता, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर कांग्रेसजनों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद करते हुए तहसील प्रांगण स्थित राजीव गांधी कॉम्प्लेक्स में स्व. राजीव गांधी मूर्ति पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान, युवाओं के लिए उनकी दृष्टि, पंचायतीराज की मजबूती, संविधान के 73वें एवं 74वें संशोधन एवं सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में क्रान्ति के लिए किये गये राजीव के प्रयासों के लिए याद किया।

इस अवसर पर नव निर्वाचित जिला पंचायत उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने कहा कि स्व. राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी में ले जाने का जो सपना देखा था वह साकार हो गया है। स्व. राजीव को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए उन्होंने कहा कि पंचायतीराज से जुड़ी संस्थाओं की मजबूती के लिए स्व. राजीव गांधी ने देश में पंचायतीराज व्यवस्था को सशक्त किया. जिससे सत्ता के विकेंद्रीकरण और पंचायती राज व्यवस्था को सबलता मिली तथा पंचायत स्तर तक लोकतंत्र पहुंचा। उनके कार्यकाल में पंचायतीराज व्यवस्था का पूरा प्रस्ताव तैयार हुआ जिसे 1992 में 73वें और 74वें संविधान संशोधन के जरिए लागू किया गया। स्व. राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में कांग्रेस सरकार की ओर से तैयार 64वें संविधान संशोधन विधेयक के आधार पर 73वां संविधान संशोधन विधेयक पारित कराया। 24 अप्रैल 1993 से पूरे देश में पंचायती राज व्यवस्था लागू हुई जिससे सभी राज्यों को पंचायतों के चुनाव कराने को मजबूर होना पड़ा। मूलत: पंचायतीराज व्यवस्था का मकसद सत्ता का विकेंद्रीकरण रहा।

पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने स्व. राजीव गांधी को भारत में दूरसंचार क्रांति का जनक बताते हुए कहा कि स्व. राजीव गांधी की पहल पर अगस्त 1984 में भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना के लिए सेंटर फॉर डिवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स की स्थापना हुई। इस पहल से शहर से लेकर गांवों तक दूरसंचार का जाल बिछना शुरू हुआ. जगह-जगह पीसीओ खुलने लगे, जिससे गांव और शहर संचार के मामले में आपस में और देश-दुनिया से जुड़ सके, फिर 1986 में स्व. राजीव गांधी की पहल से ही एमटीएनएल की स्थापना हुई, जिससे दूरसंचार क्षेत्र में और प्रगति हुई। स्व. राजीव गांधी ने संविधान में संशोधन कर पंचायतों को अधिकार सम्पन्न बनाने व युवाओं को मतदान का अधिकार देकर देश की मुख्य धारा से जोड़ने तथा भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने की पहल की थी। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि गांवों के गरीब परिवार के बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा दिलाने के मकसद के साथ स्व0 श्री राजीव गांधी ने जवाहर नवोदय विद्यालयों की शुरआत की तथा वर्तमान समय में देश में खुले 551 नवोदय विद्यालयों में लाखों छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। स्व. राजीव गांधी ने शिक्षा क्षेत्र में भी अहम कदम उठाए. प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की. इसके तहत पूरे देश में उच्च शिक्षा व्यवस्था का आधुनिकीकरण और विस्तार करने की कोशिशें हुईं। उन्होने देश को शक्तिशाली व सम्पन्न राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करते हुए भारत की एकता व अखण्डता के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था। हम सब को मिलकर एक शक्तिशाली भारत के निर्माण के उनके सपने को साकार करने के लिए अपनी सहभागिता निभानी है यही उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर शिवानी थपलियाल मिश्रा, अमित चौहान, नीनू सहगल, पार्षद अर्जुन सोनकर, वीरेंद्र बिष्ट, निखिल कुमार, प्रमोद गोप्ता, दीप बोहरा, अनूप कपूर, राम कपूर, अमिचंद सोनकर, अर्जुन रावत, सुरेश परचा, ओम प्रकाश, गुलशन कुमार, जहांगीर खान, राहुल शर्मा, सोम प्रकाश, शिव कुमार, ओमी यादव, प्रियंश छाबड़ा आदि लोगों उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधा किया रोपण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूडी भूषण ने गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधा रोपण किया। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, सुबोध उनियाल, श्रीमती रेखा आर्या, सौरभ बहुगुणा, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, अपर मुख्य सचिव आर.के सुधांशु, डीजीपी दीपम सेठ और प्रमुख वन संरक्षक हॉफ समीर सिन्हा ने भी इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि हर नागरिक अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएँ। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

चोरी के माल के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के सामान के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 अगस्त को शशांक गुरुंग पुत्र सूरज गुरुंग निवासी भाऊवाला, थाना सेलाकुई के द्वारा उनके घर से ज्वैलरी व अन्य सामान चोरी किये जाने के सम्बंध में लिखित तहरीर दी गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासे तथा चोरों की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। निर्देशों के अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी/ पतारसी करते हुए स्थानीय तंत्र को सक्रिय किया गया। साथ ही पूर्व में चोरी की घटनाओं में प्रकाश में आये लोगों की वर्तमान स्थिती की जानकारी कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा किए जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप गश्त/चेकिंग के दौरान मिली सूचना पर पुलिस द्वारा तीन संदिग्ध व्यक्तियों सूर्य प्रताप पुत्र भजन सिंह निवासी निगम रोड, थाना सेलाकुई, गौरव सिंह पुत्र हीरा सिंह निवासी सिल्थाम, थाना पिथौरागढ़, अंकित पवार पुत्र दर्शन सिंह पवार निवासी रतनपुर, थाना पटेल नगर को पूछताछ हेतु थाने लाया गया, जिनसे गहन पूछताछ में उनके द्वारा भाऊवाला क्षेत्र में चोरी की घटना को अंजाम देना बताया गया, घटना में चोरी की गई ज्वैलरी व अन्य सामान को पुलिस टीम द्वारा उनके कब्जे से बरामद किया गया। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वह नशे का आदी है तथा अपने नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उसके द्वारा उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। गौरव दिल्ली में शेफ का कार्य करता है, जो अपने साथियों सूर्यप्रताप तथा अंकित से मिलने देहरादून आया था, जहाँ तीनो के द्वारा अपने नशे के खर्चों के लिए चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। घटना में चोरी किए गए सामान तथा ज्वेलरी को बेचने की फिराक में थे, पर उससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

छोटे बच्चे को न खिलाएं ये चीजें, सेहत को पहुंचा सकती हैं नुकसान

छह महीने के बाद से बच्चों को दूध के साथ-साथ ठोस आहार का सेवन करवाना शुरू कर देना चाहिए, लेकिन कुछ चीजें बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इस सूची में गाय का दूध, मीठे व्यंजन, रिफाइंड अनाज और पाश्चुरीकृत जूस आदि चीजें शामिल हैं, जिनका सेवन छोटे बच्चों को करवाना बाल चिकित्सक सही नहीं मानते हैं। आइए जानते हैं कि ये खान-पान की चीजें छोटे बच्चों के लिए क्यों नुकसानदायक हैं।

गाय का दूध : छोटे बच्चों के लिए गाय का दूध पचाना कठिन हो सकता है। वहीं, गाय के दूध में आयरन और विटामिन-श्च जैसे सभी पोषक तत्व भी नहीं होते हैं और एक बच्चे के विकास के लिए इन पोषक तत्वों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। एक बार जब आपका बच्चा एक साल का हो जाए तो आप उसे सीमित मात्रा में गाय का दूध पिला सकते हैं।

मीठी चीजें : अपने छोटे बच्चे को मीठी चीजें खिलाने से उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। चॉकलेट और कैंडीज आदि के सेवन से बच्चों के दांतों और समग्र स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। शायद आपको न पता हो, लेकिन बच्चे को किसी भी रूप में शहद देने से उसको बोटुलिज्म हो सकता है। अगर आपके बच्चे को मीठा अच्छा लगता है तो आप उसे केले जैसे फल खिला सकते हैं, क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

पाश्चुरीकृत फलों का जूस : पाश्चुरीकृत फलों का जूस छोटे बच्चों में मां के दूध की भूख को कम कर सकता है, जो जीवन के पहले वर्ष में उसका मुख्य आहार होना चाहिए। यह जूस इनके दांत खराब करने के साथ-साथ कई पाचन संबंधित समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। छोटे बच्चों को हमेशा घर में बना ताजा फलों का जूस देना ही सही रहता है।

रिफाइंड अनाज : छोटे बच्चों को सफेद चावल और सफेद ब्रेड जैसे रिफाइंड अनाज का अधिक सेवन कराने से उन्हें हृदय रोग, मधुमेह और ट्राइग्लिसराइड्स जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इनकी बजाय छोटे बच्चों की डाइट में साबुत अनाज से युक्त चीजों को शामिल करें। साबुत अनाज फाइबर से भरपूर होते हैं, जो ब्लड शुगर को स्थिर रखने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त इससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य को बहुत लाभ होता है।

पनीर : अगर आपका बच्चा अभी एक साल का भी नहीं हुआ है तो उसे पनीर न खिलाएं। माना कि पनीर एक स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ है, लेकिन छोटे बच्चों को पनीर का सेवन फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकता है। इसका मुख्य कारण यह है कि पनीर में लिस्टेरिया नामक बैक्टीरिया होता है, जो बच्चे के पाचन को प्रभावित कर सकता है। इससे आपके बच्चे को पाचन संबंधी परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

सही लाइट भी बदल सकता है घर का वातावरण

घर के लाइट को सही तरीके से अरेंज करके भी घर के वातावरण को खुशनुमा बनाया जा सकता है। रेस्तरां या होटल वगैरह की लाइटिंग व्यवस्था पर कभी गौर कीजिएगा। वहां की लाइटिंग व्यवस्था से शायद आप भी प्रभावित हुए होंगे। होटल्स वगैरह की लाइटिंग अरेंजमेंट के पीछे का मनोविज्ञान भी यही होता है, अपने ग्राहकों का मूड बदलना, उनको सुकून देना।

कुछ ऐसा ही एहसास आप अपने घर में भी पा सकते हैं लाइटिंग व्यवस्था में थोड़ा-बहुत बदलाव करके। लाइट्स और शैडो में सही मेल करके आप घर पर ही होटल जैसे कैंडल लाइट डिनर का मजा ले सकते हैं। वैसे आज अगर देखें तो अधिकांश घरों में, खासकर बिल्डर फ्लैट्स में चमकीली रोशनी वाले फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइट्स ही इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इस तरह की सीलिंग लाइट्स से पूरे कमरे में रोशनी तो होती है, मगर इनसे वो सुकून नहीं मिलता, जो मिलना चाहिए। ऐसे में अगर आप कभी घर में डिनर पार्टी का आयोजन करें तो शायद वह एहसास आपको न मिले, जो कि एक होटल में मिलता है। इसकी वजह है लाइटिंग। अगर आप अपने घर को थोड़ा आरामदायक और कूल बनाना चाहते हैं तो लाइटिंग आर्ट पर जरूर ध्यान दें।

बेशक घर में ट्यूबलाइट लगाएं, मगर इसके साथ ट्रेंडी डेस्क लैंप्स, लैंटर्न या सजावटी कैंडल्स जरूर लगाएं। प्रिंटेड मोटिफ्स वाले या धातु के बने टेबल लैंप्स और सेंटेड कैंडल्स का इस्तेमाल करके घर के हर कोने को और अधिक जीवंत बनाया जा सकता है। 'घर को कोजी लुक देने के लिए डिमर्स बेहतर होते हैं, इसलिए कम वॉट वाले लैंप या लाइट्स घर में लगाएं। घर में लाइट और शैडो में सही मैच करने के लिए अलग-अलग तरह की टी लाइट्स, सेंटेड कैंडल्स आदि का चुनाव किया जा सकता है। इन दोनों चीजों का इस्तेमाल करके घर की खूबसूरती को बढ़ाया जा सकता है।' यह कहना है आर्ट एंड मेंस वियर जेपोर की कैटेगरी मैनेजर उपासना विरमानी का।

दरअसल, खूबसूरत फूलों और अन्य आकृतियों की टी लाइट्स भी पूरे घर को खूबसूरत लुक देती हैं। इन छोटी-छोटी टी लाइट्स की झिलमिलाती रोशनी से घर के हर कोने को खूबसूरती से रोशन किया जा सकता है। इसके अलावा अलग-अलग तरह की फेकल लाइट्स भी कमरे में एक सुंदर प्रभाव पैदा कर सकती हैं। इस तरह की लाइट्स का इस्तेमाल अकसर कला या कलाकृतियों को हाइलाइट करने के लिए किया जाता है।

पोषक तत्वों से भरपूर फल है अमरा

अमरा एक स्वास्थ्यवर्धक फल है, जो कई लोगों के लिए अनजाने फलों की सूची में शुमार होगा। अगर ऐसा है तो बता दें कि यह भारत में उगाया जाता है। इसे वैज्ञानिक रूप से स्पोंडियास डल्सिस के नाम से जाना जाता है। यह जब कच्चा होता है तो इसका रंग हरा और स्वाद खट्टा होता है, जबकि पकने पर इसका रंग पीला और स्वाद मीठा हो जाता है। आइए आज इसके फायदों के बारे में जानते हैं।

पाचन के लिए है लाभदायक

अमरा में पानी और फाइबर की अच्छी मात्रा मौजूद होती है। ये दोनों ही तत्व पाचन के लिए लाभदायक माने जाते हैं। इस फल का रोजाना सेवन शरीर को हाइड्रेट रखने समेत आंतों को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह फल कई तरह की पाचन संबंधित समस्याओं से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। इस फल का गूदा अपच से पीड़ित लोगों के लिए अच्छा माना जाता है।

हृदय की कार्यप्रणाली में कर सकता है सुधार

अमरा में कई एंटी-ऑक्सिडेंट्स मौजूद होते हैं, जो हृदय की कार्यप्रणाली को सुधारने में काफी मदद कर सकते हैं। ये एंटी-ऑक्सिडेंट्स हाई ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने में भी मदद कर सकते हैं। यही कारण है कि इसे हाइपरटेंशन रोगियों के लिए लाभदायक माना जाता है। इसके अतिरिक्त यह फल खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। ऐसे यह फल हृदय रोग से सुरक्षित रख सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकता है मजबूती

अमरा विटामिन- सी से भरपूर होता है, जो एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह काम करके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में मदद कर सकता है। यह शरीर में व्हाइट ब्लड सेल्स के विकास को बढ़ावा दे सकता है, जो रोग और संक्रमण से लड़ने के लिए आवश्यक होते हैं। इसके अतिरिक्त विटामिन- सी ब्लड सर्कुलेशन में आयरन के अवशोषण में भी मदद कर सकता है, जिससे शरीर ऊर्जावान बना रहता है।

आंखों की रोशनी को तेज करने में है सहायक

अगर आप प्राकृतिक रूप से अपनी आंखों की रोशनी को तेज करना चाहते हैं तो आपके लिए अपनी डाइट में अमरा को शामिल करना लाभदायक हो सकता है। यह फल विटामिन- ए से भरपूर होता है, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाने वाला एक मुख्य पोषक तत्व माना जाता है। इसके अलावा यह उम्र से संबंधित आंखों की बीमारियों के जोखिम कम करने में भी सहायक हो सकता है।

त्वचा संक्रमण के जोखिम कर सकता है कम

अमरा एंटी-बैक्टीरियल प्रोपर्टीज से भरपूर होता है, इसलिए इसे त्वचा संक्रमण के लिए लाभदायक माना जाता है। यह फल त्वचा से जुड़ी समस्याओं जैसे मुंहासे, रूखापन और छाले से निपटने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह सोरायसिस जैसी स्थितियों के इलाज में भी काफी मदद कर सकता है। यह फल उम्र बढ़ने के लक्षणों को धीमा करने के लिए भी जाना जाता है।

लोगों में हैं हृदय संबंधी बीमारियों से जुड़े ये भ्रम

विश्व स्तर पर हृदय रोग हर साल 17.9 लाख मौतों का कारण बनता है और इसके जिम्मेदार इलाज को अनेदखा करना और झूठी धारणाएं हो सकती हैं। दरअसल, हृदय संबंधी रोगों को लेकर लोगों में कई ऐसी धारणाएं या भ्रम हैं, जो हृदय रोग से ग्रस्त लोगों के लिए खतरा साबित हो सकती है या फिर शरीर को हृदय रोगों की चपेट में लाने का कारण बन सकती हैं। आइए आज कुछ भ्रम और उनकी सच्चाई जानें।

भ्रम- अधिक उम्र में होते हैं हृदय संबंधी रोग

यह सिर्फ एक भ्रम है कि हृदय रोग अधिक उम्र के लोगों को ही होता है, जबकि ऐसा नहीं है। हृदय रोग किसी भी उम्र में हो सकता है। असंतुलित जीवनशैली, गलत खान-पान और मोटापा आदि इसका खतरा बढ़ा सकते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार, दिल के दौरे के 60 प्रतिशत लोग 50 वर्ष से कम उम्र के होते हैं और 40 प्रतिशत अन्य हृदय रोगों से ग्रस्त लोगों की उम्र 40 वर्ष से कम होती है।

भ्रम- आनुवंशिक हृदय रोग का इलाज नहीं होता है

कई लोगों का ऐसा मानना है कि आनुवंशिक हृदय रोग का इलाज नहीं होता है, लेकिन यह एक भ्रम से ज्यादा और कुछ नहीं है। अगर आपके माता-पिता को हृदय रोग होने के कारण यह आपको भी है तो इसके जोखिमों को कम करने के लिए कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, स्वस्थ भोजन करें, वजन बनाए रखने समेत ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है।

भ्रम- हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण होते हैं

अगर आपका मानना है कि हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण होते हैं तो बता दें कि यह सिर्फ एक भ्रम है। हाई ब्लड प्रेशर एक साइलेंट किलर समस्या है। इससे जुड़े कोई शारीरिक लक्षण हैं और यह कभी भी किसी भी व्यक्ति को दिल के दौरे जैसी बीमारियों की चपेट में ला सकता है। इसलिए समय-समय पर अपने ब्लड प्रेशर की जांच करवाना जरूरी है।

भ्रम- सीने में दर्द होना ही दिल के दौरे का एकमात्र लक्षण है

शायद यह सबसे आम भ्रम है कि सीने में दर्द होना दिल के दौरे का एकमात्र लक्षण है, लेकिन यह सच नहीं है। सीने में दर्द होने के साथ-साथ सांस की तकलीफ, सीने में जलन, पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, मतली, उल्टी, पीठ में दर्द, जबड़े में दर्द, चक्कर आना और अत्यधिक थकान आदि भी दिल के दौरे के लक्षण होते हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों को दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक रहती है।

भ्रम- दिल का दौरा पड़ने के बाद एक्सरसाइज करना जोखिम भरा हो सकता है

यह भी हृदय स्वास्थ्य से जुड़ा एक आम भ्रम है कि दिल का दौरा पड़ने के बाद एक्सरसाइज करना जोखिम भरा हो सकता है, जबकि यह एक गलत धारणा है। भले ही कोई भी हृदय रोग हो, उसके जोखिम को कम करने के लिए डॉक्टरी सलाह के अनुसार अपने रूटीन में एक्सरसाइज को शामिल करें। दिन में 30-45 मिनट तक ब्रिस्क वॉक करना सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है।

माइग्रेन से लेकर साइनस तक, जानें क्या है विभिन्न प्रकार के सिरदर्द में अंतर

सिरदर्द एक बेहद आम समस्या है। यह कई तरह के होते हैं और हर एक के अपने कारण, लक्षण और उपचार के विकल्प भी मौजूद हैं। सिरदर्द माथे से शुरू होकर कान और गर्दन के किनारे और सिर के ऊपरी हिस्से तक अनुभव किया जा सकता है। सभी सिरदर्द जटिलता, तीव्रता और आवृत्ति के संदर्भ में अलग होते हैं। आइए आज हम आपको पांच अलग-अलग तरह के सिरदर्द के बारे में बताते हैं। माइग्रेन में सिर में बहुत तेज दर्द होता है और इसकी तीव्रता भी अधिक होती है। इसमें जल्दी आराम नहीं मिलता है और कभी-कभी यह कई दिनों तक होता है। खाना नहीं खाने से या बहुत ज्यादा तनाव लेने की वजह से आपको माइग्रेन का सिरदर्द हो सकता है। इसमें लोग अपने सिर के किनारों में दर्द महसूस करते हैं और इलाज के लिए दवा पर भरोसा करते हैं। हालांकि इसका कोई ठोस इलाज नहीं है।

घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों की वजह से आजकल हमारा रुटीन ऐसा हो गया है कि हर वक्त तनाव बना रहता है। इसके कारण अक्सर सिर में दर्द होता है। यह दर्द गर्दन और कंधों में तनाव के कारण भी हो सकता है, लेकिन ऐसी स्थिति में यह लंबे समय तक नहीं रहेगा। तनाव से होने वाला सिरदर्द गर्दन के पीछे और किनारों की तरफ मध्यम तीव्रता तक का होता है। इससे राहत पाने के लिए मेडिटेशन बढ़िया विकल्प है। क्लस्टर सिरदर्द बेहद गंभीर सिरदर्द होता है। इसमें लगातार आंखों के आसपास दर्द और जलन महसूस किया जा सकता है, जिससे आसानी से राहत नहीं मिलती है। यह सिरदर्द इतना तीव्र और भयंकर होता है कि आपका बैठना भी मुश्किल हो जाता है और अन्य असुविधा होती हैं। इससे राहत पाने के लिए आप दवाएं ले सकते हैं जो स्थिति को अधिक सहने योग्य बनाने में मदद करती हैं। साइनस एक ऐसी समस्या है जिसमें व्यक्ति की नाक बंद हो जाती है। यह स्थिति एलर्जी, मौसम में बदलाव और ज्यादा ठंडे मौसम के कारण होती है। इसके कारण नाक से पानी आना, सिरदर्द, गले और आंखों में दर्द और आधे सिर में दर्द होने जैसी समस्याएं होती हैं। साइनस के दर्द में आप खुद को थका हुआ भी महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति में सिरदर्द से राहत पाने के लिए आपको डॉक्टर को जरूर दिखाना चाहिए। जब आप कोई मेहनत भरा काम या भारी शारीरिक एक्सरसाइज करने के बाद थक जाते हैं तो आपको जो सिरदर्द महसूस होता है, वह मेहनत से होने वाला सिरदर्द है। कई बार शरीर पर अचानक से तनाव आ जाने पर भी यह दर्द महसूस होता है। यह सिरदर्द घंटों तक रहता है और कभी-कभी कुछ दिनों तक भी चलता रहता है। इसमें गर्दन और सिर के एक या दोनों तरफ दर्द होता है।

फिल्म सिला से करण वीर मेहरा का विलेन के रूप में आया पहला लुक

बॉलीवुड में जब भी किसी खतरनाक विलेन की बात होती है तो दर्शक कुछ डरावना देखने की उम्मीद करते हैं। बस इसी को ध्यान में रखते हुए करण वीर मेहरा अपनी नई फिल्म में विलेन की भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। जी हां, उनकी आने वाली फिल्म सिला' में उनके खलनायक अवतार जहराक' की पहली झलक सामने आई है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। निर्देशक ओमंग कुमार, जो मैरी कॉम' और सरबजीत' जैसी सशक्त फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब सिला' नाम की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में लीड रोल में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब दिखाई देंगे, लेकिन जो सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वो है करण वीर मेहरा का खतरनाक और आक्रामक विलेन लुक। करणरी ने अपने इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जो अब फैंस को काफी पसंद आ रहा है। साथ ही ये ऐसा लुक है जिससे करणवीर बिल्कुल भी पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना लुक शेयर करते हुए लिखा - खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! करणवीर की इस एक लाइन ने फैंस को उनके किरदार की गहराई और भयावहता का अंदाजा दे दिया है। पोस्टर में करण वीर लहूलुहान शरीर, लंबे उलझे बालों और हाथ में तलवार लिए युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। उनकी आंखों की आग और शरीर पर खून के धब्बों ने उन्हें एक क्रूर योद्धा के रूप में दिखाया है। करण वीर का किरदार जहराक' फिल्म में काफी खतरनाक', इंटेंस' और डरावना' बताया जा रहा है। उनके लुक पर कई फैंस ने भी कमेंट किया है। उनके फैंस को लुक पसंद आया है। कई लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्हें फिल्म के आने का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की कहानी समीर जोशी ने लिखी है, जबकि डायलॉग्स आरंभ एम. सिंह ने तैयार किए हैं। संगीत की जिम्मेदारी अंकित तिवारी, सचेत-परंपरा, श्रेयस पुराणिक और एलेक्सिया एवलिन जैसे प्रतिभाशाली संगीतकारों के पास है। ये टीम पहले ही कई हिट गाने दे चुकी है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या रोजाना क्रीम बिस्किट खाना सेहत के लिए सही है?

बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई क्रीम वाले बिस्किट खाना पसंद करता है क्योंकि यह खाने में काफी स्वादिष्ट होते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि रोजाना क्रीम बिस्किट खाना सेहत के लिए सही नहीं है। इसका कारण है कि इनमें चीनी की मात्रा अधिक होती है, जो स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। आइए जानते हैं कि क्रीम बिस्किट के सेवन से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

वजन बढ़ने की है आशंका

क्रीम बिस्किट का सेवन वजन बढ़ने का कारण बन सकता है। इसका मुख्य कारण है कि क्रीम बिस्किट में चीनी की अधिक मात्रा होती है। जब आप नियमित रूप से इनका सेवन करते हैं तो आपके शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा होने लगती हैं, जिससे वजन बढ़ सकता है। वजन बढ़ने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दिल की बीमारियां आदि। इसलिए सीमित मात्रा में ही क्रीम बिस्किट का सेवन करें।

दांतों के स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर

क्रीम बिस्किट का सेवन दांतों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डाल सकता है। इन बिस्किट में मौजूद चीनी बैक्टीरिया के लिए भोजन का काम करती है, जिससे दांतों में कीड़े लग सकते हैं। इसके अलावा चीनी दांतों की सेंसिटिविटी बढ़ा सकती है, जिससे दर्द और असुविधा हो सकती है। इसलिए बिस्किट खाने के बाद अपने दांतों को अच्छी तरह से साफ करना जरूरी है ताकि बैक्टीरिया न पनप सकें।

पेट की समस्याएं हो सकती हैं

रोजाना क्रीम बिस्किट खाने से पेट की समस्याएं भी हो सकती हैं। इनमें मौजूद अधिक चीनी और चर्बी की मात्रा पाचन तंत्र पर असर डाल सकती है, जिससे गैस, अपच या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा इनका सेवन पेट में भारीपन और असुविधा भी पैदा कर सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप सीमित मात्रा में ही इनका सेवन करें और साथ ही पर्याप्त पानी पिएं ताकि पेट की सेहत ठीक रहे।

त्वचा पर हो सकता है बुरा असर

रोजाना क्रीम बिस्किट खाने से त्वचा पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इनमें मौजूद अधिक चीनी रक्त के स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे मुंहासे या त्वचा की सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा चीनी त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी तेज कर सकती है। इसलिए अपनी डाइट में क्रीम बिस्किट को सीमित मात्रा में शामिल करें ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ रहे और समय से पहले झुर्रियां न आएं।

नींद पर पड़ सकता है असर

रात को सोने से पहले क्रीम बिस्किट खाना आपकी नींद पर भी असर डाल सकता है। इनमें मौजूद अधिक चीनी और चर्बी की मात्रा नींद को बाधित कर सकती है, जिससे आपको अच्छी नींद नहीं मिलती। इसके अलावा रात के समय इनका सेवन करने से पेट भारी महसूस कर सकता है, जिससे आरामदायक नींद लेने में दिक्कत होती है। इसलिए सोने से पहले इनका सेवन करने से बचें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -53

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

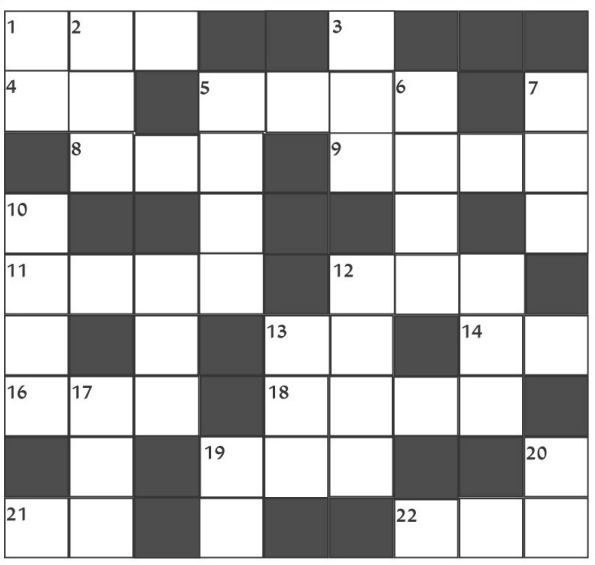

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 52 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

दृश्यम 3ः तब्बू और अक्षय खन्ना फिर खाकी वर्दी में दिखाएंगे दम

अजय देवगन को पिछली बार फिल्म रेड 2 में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। आने वाले दिनों में वह एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक दृश्यम 3 भी है। अजय तो पहले ही फिल्म के तीसरे भाग पर अपनी मोहर लगा चुके हैं और पिछले कुछ समय से वह इसी फिल्म की तैयारी में लगे हुए हैं। अब इससे जुड़ीं कुछ नई जानकारियां बाहर आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, दृश्यम और दृश्यम 2 की जबरदस्त सफलता के बाद अब एक बार फिर खाकी वर्दी में अपना दमखम दिखाएंगे। निर्माता-निर्देशक अभिषेक पाठक ने हाल ही में अक्षय खन्ना और तब्बू से मुलाकात की और उनके साथ दृश्यम 3 पर चर्चा की।

दोनों कलाकार फिल्म की पटकथा की से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इसके लिए हामी भरने में देर नहीं लगाई। जल्द ही अक्षय और तब्बू ये फिल्म भी साइन कर लेंगे। सूत्र ने बताया कि काफी हद तक संभव है कि दृश्यम 3 इस फ्रेंचाइजी की आखिरी फिल्म होगी। इसकी रिलीज के साथ ही इस क्राइम थ्रिलर फिल्म सीरीज का सफर खत्म हो जाएगा। यह अजय, तब्बू और अक्षय इन तीनों कलाकारों के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां दूसरा भाग खत्म हुआ था। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि अभिनेत्री श्रिया सरन भी दृश्यम की दुनिया में वापसी करेंगी। साल 2022 में अजय दृश्यम 2 लेकर आए थे, जो उनके करियर की सबसे कमाऊ फिल्मों में से एक बनी। 50 करोड़ रुपये इस फिल्म का बजट था और इसने 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। इससे पहले साल 2015 में आई उनकी फिल्म दृश्यम ने भी बढ़िया कमाई की थी। दृश्यम का निर्देशन जहां निशिकांत कामत ने किया था, वहीं दूसरे भाग के निर्देशन की जिम्मेदारी अभिषेक पाठक पर थी, जो तीसरे भाग के निर्देशक भी हैं।

अक्षय को पिछली बार फिल्म छावा में देखा गया था, जिसमें उन्होंने औरंगजेब का किरदार निभाया था। फिल्म में अक्षय के अभिनय को दर्शकों से खूब सराहना मिली। अब वह फिल्म धुरंधर में नजर आएंगे, जिसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तब्बू पिछली बार हाउसफुल 5 में कैमियो करती दिखी थीं। अब उन्हें अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में देखा जाएगा।

इम्तियाज अली ने अपनी अगली फिल्म साइड हीरोज का किया ऐलान

बड़े पर्दे पर दोस्ती की कहानी दिखाने वाली फिल्मों को खूब पसंद किया जाता है। फिल्म मेकर्स लोगों के बीच फ्रेंडशिप की ऐसी कहानी पेश करने की कोशिश में लगे रहते हैं, जो उनके दिलों पर छाप छोड़ दें। फ्रेंडशिप डे के मौके पर एक फिल्म की घोषणा हुई है, जिसमें तीन पॉपुलर हीरो की तिकड़ी एक साथ पहली बार पर्दे पर नजर आएगी। आइए इस फिल्म की डिटेल्स जानते हैं।

यहां हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम साइड हीरोज है। इस फिल्म के निर्माता की सूची में इम्तियाज अली का नाम शामिल है। सिनेमा लवर्स उनकी हर फिल्म को गंभीरता से लेते हैं और वह हर बार कुछ नया पर्दे पर दिखाने की कोशिश में लगे रहते हैं।

साइड हीरोज फिल्म की कास्ट में अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा का नाम शामिल है। ये तिकड़ी बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। इम्तियाज अली और महावीर जैन ने अपनी अपकमिंग फिल्म साइड हीरोज की घोषणा फ्रेंडशिप डे के मौके पर की। इसकी अनाउंसमेंट करते समय उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था।

फिल्म के बारे में बताया गया है कि यह पुरानी यादों और खुशियों की तलाश पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी है। खास बात है कि इसके लिए कॉमेडी के तीन दमदार सितारे साथ नजर आएंगे। इसकी अनाउंसमेंट के बाद से ही सोशल मीडिया पर फिल्म की चर्चा शुरू हो गई है।

फिल्म की घोषमणा पर ध्यान दें, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आ जाएगी। अनाउंसमेंट से पता लग गया है कि यह दोस्तों की कहानी पर आधारित है। ऐसे में इस दोस्ती की प्यारी कहानी वाली फिल्म को फ्रेंडशिप डे 2026 के मौके पर बड़े पर्दे पर उतारा जा सकता है। फिलहाल हर कोई इन तीनों पॉपुलर सितारों को साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स फिल्म के बारे में अपनी राय लगातार लिख रहे हैं।

अनुपमा परमेश्वरन ने जानकी के लिए जताया आभार!

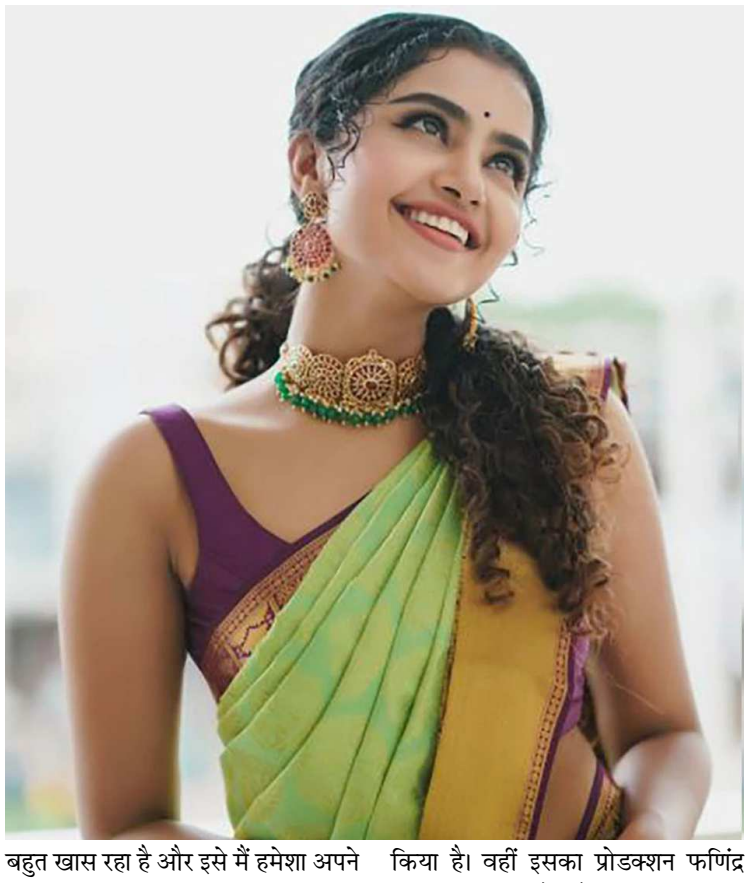

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म जानकी वी बनाम स्टेट ऑफ केरल हाल ही में रिलीज हुई थी। दर्शकों ने फिल्म में उनकी एक्टिंग की खूब प्रशंसा की, इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने फैंस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इतना प्यार और अपनापन मिलने की उम्मीद नहीं थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ सीन की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, जानकी फिल्म रिलीज हुई और मैं बस आप सबका धन्यवाद कहना चाहती हूं। कुछ समय बाद मलयालम सिनेमा में लौटने पर, मुझे इतना प्यार और अपनापन मिलेगा, ये उम्मीद नहीं थी। आप सबका मेरे किरदार के लिए जो प्यार है, उसने मेरे दिल को छू लिया।

अभिनेत्री ने बताया कि वह दर्शकों द्वारा लिखे गए सभी प्यार भरे मैसेज, रिव्यू और बातें पढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जानकी के बारे में हर एक शब्द पढ़ना, जिससे पता चलता है कि दर्शकों को कैसा महसूस हुआ, उनके लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा, धन्यवाद कि आपने जानकी को समझा और उसके जरिए मुझे भी देखा।

साथ ही अभिनेत्री ने अपने निर्देशक प्रवीन नारायणन का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने उन पर जानकी का किरदार निभाने का भरोसा किया और उन्हें पूरी तरह से उस किरदार में जीने का मौका दिया।

अभिनेत्री ने कहा, यह सफर मेरे लिए बहुत खास रहा है और इसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी।

उन्होंने आगे कहा, आने वाले समय में भी कई ऐसी कहानियां, किरदार और जुड़ाव हों। मैं प्यार के साथ आभार महसूस करती हूं।

बता दें, फिल्म जानकी वी बनाम स्टेट ऑफ केरल 17 जुलाई 2025 को रिलीज हुई थी। यह एक अपराध और कोर्टरूम ड्रामा है, जिसे प्रवीण नारायण ने डायरेक्ट किया है। वहीं इसका प्रोडक्शन फणिंद्र कुमार ने किया है और सेथुरामन नायर कंकॉल को-प्रोड्यूसर हैं।

फिल्म की सिनेमैटोग्राफी रेनादिव ने की है और एडिटिंग समजित मोहम्मद ने। अनुपमा परमेश्वरन के अलावा इस फिल्म में सुरेश गोपी, दिव्या पिल्लई, श्रुती रामचंद्रन, अस्कार अली, माधव सुरेश गोपी और बैजू सन्दोष जैसे स्टार्स अहम भूमिका में हैं।

ऑफ शॉल्डर गाउन पहन अभिरा ने खूब दिखाई बोल्डनेस

राजन शाही का शो ये रिश्ता क्या कहलाता है पिछले कई सालों से दर्शकों का फेवरेट बना हुआ है। हाल ही में शो की पूरी स्टारकास टेली इंडिया अवार्ड्स में पहुंचीं और इस दौरान अभिरा यानी समृद्धि शुक्ला ने अपने ग्लैमरस अवतार से फैंस के होश उड़ा दिए।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला पिंक कलर का ऑफ शॉल्डर गाउन पहनें दिख रही हैं। फोटो में वह अपना क्लीवेज जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं और अपनी कमर पर हाथ रखकर शानदार अंदाज में पोज दे रही हैं।

इस फोटो में अभिरा यानी समृद्धि शुक्ला स्टाइल मारते हुए पोज दे रही हैं। फोटो में वह इस स्लिट गाउन में अपने टोन्ड लेग्स भी जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस की यह तस्वीरें आते ही छा गई हैं।

इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला ने कैप्शन में लिखा, क्वीन एनर्जी ऑन्ली, मुझे सपने की तरह बनाने के लिए आपका शुक्रिया। समृद्धि के इस पोस्ट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला की इन तस्वीरों पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप बहुत ही खूबसूरत हैं। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, खूबसूरत सैम।

एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला के इंस्टाग्राम पर लाखों की संख्या में फॉलोवर्स हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 617के लोग फॉलो करते हैं और यही कारण हैं कि उनकी हर एक तस्वीर आते ही छा जाती हैं।

टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है के अपकमिंग एपिसोड में देखने को मिलेगा कि अंशुमन का अरमान का सच पता चल जाएगा और इसके बाद वह मंदिर में जाकर अभिरा को मायरा का सच बता देगा और कहेगा कि मायरा ही असल में पूकी है, जिसे अरमान ने उससे दूर रखा।

वहीं शो में आगे देखने को मिलेगा कि अपनी बेटी पूकी का सच जानकर अभिरा बुरी तरह से टूट जाएगी और सीधे मायरा को लेने के लिए माउंट आबू पहुंच जाएगी, जहां खूब ड्रामा होगा।

भारत के हथकरघा: विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

पबित्रा मार्गेरिटा

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे-दर-धागा, कहानी-दर-कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नई शुरुआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने-बाने में बदल गया।

हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72त्न महिलाएँ हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहाँ इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

एक स्थायी विरासत

भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता-फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर-तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएँ उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग।

एक बुनकर के घर में, जहाँ करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के आँगन के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं। बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में, हथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है।

पूर्वोत्तर- अवसरों का एक करघा

देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52त्न पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैंऔर 2019-20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है। असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं।

इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिज़ाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहाँ प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत, पूर्वोत्तर राज्यों के 123 छोटे समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। शिवसागर में एक बड़ा हथकरघा समूह स्थापित किया गया है तथा इम्फाल पूर्व और सुआलकुची में ऐसी दो परियोजनाएँ चल रही हैं। इस क्षेत्र में लगभग 3.08 लाख बुनकरों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के अंतर्गत सार्वभौमिक एवं किफायती सामाजिक सुरक्षा के लिए नामांकन कराया है, जिनमें असम के 1.09 लाख बुनकर शामिल हैं।

पुनरुद्धार से पुनरुत्थान तक

पिछले 11 वर्षों में, वस्त्र मंत्रालय के कई विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये भारत के हथकरघा उद्योग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। समूह विकास पहलों, आधुनिक उपकरणों और ऋण तक पहुँच ने बुनाई को घरेलू गतिविधियों से सूक्ष्म उद्यमों में बदलने में मदद की है।

राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) ने सूत की आपूर्ति, करघा उन्नयन, कार्य शेड निर्माण से लेकर आधुनिक उपकरणों तक पहुँच प्रदान करके शुरू-से-अंत तक सहायता सुनिश्चित की है। पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई जैसी योजनाओं से अत्यंत आवश्यक वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा मिली है। बुनकरों की मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और अतिरिक्त राशि (मार्जिन मनी) सहायता ने कार्यशील पूंजी तक पहुँच का विस्तार किया है।

बुनकरों और उद्यमियों के लिए लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से, उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में हथकरघा पार्क स्थापित करने की योजना है। इन एकीकृत स्थानों में रंगाई इकाइयाँ, तुरंत शुरू करने योग्य (प्लग-एंड-प्ले) कार्यशालाएँ, डिजिटल प्रयोगशालाएँ, शोरूम तथा सौर ऊर्जा एवं अपशिष्ट पुनर्चक्रण जैसी सतत संरचनाएँ शामिल होंगी।

साथ ही, निफ्ट, एनआईडी और अन्य डिज़ाइन संस्थानों के साथ साझेदारी में क्षेत्रीय स्तर पर डिज़ाइन और नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ डिज़ाइनर और बुनकर बुनाई के पारंपरिक सार का सह-निर्माण, संरक्षण और दस्तावेज़ीकरण करेंगे, और सांस्कृतिक डिज़ाइनों का ऑनलाइन संग्रह तैयार करेंगे। ये अभिनव कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर भारतीय हथकरघा के सौंदर्य और व्यावसायिक आकर्षण, दोनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तकनीक को अपनाना ज़रूरी है, लेकिन हथकरघा की आत्मा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। अब एआई का उपयोग रुझानों की भविष्यवाणी और डिजिटल रंग चयन के लिए किया जा रहा है, जबकि ब्लॉकचेन उत्पाद का पता लगाना सुनिश्चित करता है और जालसाजी का मुकाबला करते हुए इस क्षेत्र को नए डिजिटल युग में ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ाता है।

संयोजन की पुनर्कल्पना- ई-कॉमर्स और बाज़ार पहुँच

विपणन और ई-कॉमर्स गेम-चेंजर के रूप में कार्य करेंगे। रणनीति सरल लेकिन क्रांतिकारी है- बिचौलियों को खत्म करना, प्रचार के माध्यम से उपस्थिति बढ़ाना और बुनकरों को प्रारंभ से ही मंचों, प्रदर्शनियों और बाज़ारों से सीधे जोड़ना। इसी क्रम में, हथकरघा बुनकरों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा जा रहा है और इंडियाहेंडमेड.कॉम एक पारदर्शी, शून्यकमीशन वाला मंच प्रदान कर रहा है, जो उचित पारिश्रमिक, वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने की निःशुल्क व्यवस्था, आसान वापसी और सुरक्षित भुगतान विकल्प सुनिश्चित करता है।

इन प्रयासों के पूरक के रूप में, 106 हथकरघा उत्पादों को पहले ही भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किए जा चुके हैं, जो उनकी अनूठी क्षेत्रीय विरासत और शिल्प कौशल का सम्मान करते हैं। हथकरघा चिह्न और भारतीय हथकरघा ब्रांड के साथ, ये उपाय हाथ से बुने हुए उत्पादों की विशिष्ट पहचान को मज़बूत करते हैं, और खरीदारों को उनकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और पर्यावरण-अनुकूलता का आश्वासन देते हैं।

कौशल, सुरक्षा और स्थायित्व

आने वाला कल समावेशी क्षमता निर्माण पर निर्भर करता है। विशेष रूप से पारंपरिक तकनीकों के संरक्षण की दृष्टि से युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ जोड़े गए हैं - जिनमें स्वास्थ्य बीमा, शैक्षिक छात्रवृत्ति और बुनकरों के लिए पेंशन लाभ शामिल हैं।

साथ ही, पर्यावरण-अनुकूल रंग, कार्बन उत्सर्जन न करने वाले उत्पादन मॉडल और जीवन-चक्र मूल्यांकन इस क्षेत्र की स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हैं, और भारतीय हथकरघा को वैश्विक हरित आंदोलन के साथ जोड़ते हैं। वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आईआईटी दिल्ली द्वारा तैयार की गई भारतीय हथकरघा क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन आकलन- विधियाँ और केस स्टडीज़ शीर्षक वाली नई रिपोर्ट, एक संदर्भ और मार्गदर्शिका दोनों का काम करती है, जो भारत के लिए अधिक स्थायी संस्करण का मार्ग प्रशस्त करती है। पारंपरिक हथकरघा प्रथाओं में पर्यावरणीय चेतना को समाहित करके, यह अध्ययन सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के प्रति वस्त्र मंत्रालय की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि हथकरघा मूल्य श्रृंखला न केवल जलवायु-सहनीय हो, बल्कि नैतिक उत्पादन, समान मजदूरी और सम्मानजनक आजीविका पर भी आधारित हो।

भविष्य का मार्ग- सतत, समर्थन, पैमाना

भारत के हथकरघा क्षेत्र का दृष्टिकोण आंशिक रूप से सांस्कृतिक, आंशिक रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित और पूरी तरह से मानवीय है। महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में निर्यात में वृद्धि, नए रोजगार सृजित करना और विभिन्न समूहों के बुनकरों को डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है। भविष्य तीन स्तंभों पर टिका है- आत्मा को बनाए रखना, निर्माता का समर्थन करना और पहुँच का विस्तार करना।

पारिश्रमिक से आगे बढ़ते हुए, इस क्षेत्र का उद्देश्य फेलोशिप, स्टार्टअप अनुदान और इनक्यूबेशन केंद्रों के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देना है तथा विशेष रूप से अग्रणी युवाओं और महिलाओं को प्रोत्साहित करना है। ब्रांडिंग, मार्गदर्शन व सहायता और व्यवसाय विकास सहायता स्वामित्व-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देगी, जो सांस्कृतिक रूप से प्रामाणिक और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक दोनों होंगे।

भारत का हथकरघा क्षेत्र निरंतर विकसित हो रहा है...

हथकरघा 2047 तक विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा में एक प्रमुख प्रेरक शक्ति बना हुआ है, साथ ही देश के सांस्कृतिक लोकाचार को संरक्षित कर रहा है और स्थायित्व एवं विवेकपूर्ण उपभोग को बढ़ावा दे रहा है। प्रतिरोध के एक साधन से नवाचार के एक प्रकाश स्तंभ तक की यात्रा, हथकरघा के कालातीत महत्व को दर्शाती है, जो आने वाले युगों में एक शाश्वत छाप छोड़ती है। विरासत, नवाचार औरसामूहिक प्रयास को एक साथ बुनकर, भारत का हथकरघा क्षेत्र दुनिया को प्रेरित करने और देश में लाखों लोगों को सशक्त बनाने के लिए तैयार है। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने परिकल्पना की है, आइए हम हथकरघा को अपने दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएँ और अपने पारंपरिक हथकरघा उत्पादों को वह दर्जा दें, जिसके वे हकदार हैं।

लेखक केन्द्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं

कांतारा चैप्टर 1 से रुक्मिणी वसंत का लुक हुआ आउट

होम्बले फिल्म्स ने वरमहालक्ष्मी महोत्सव के पावन अवसर पर कांतारा चैप्टर 1 के फैंस को एक तोहफा दिया है। मेकर्स ने फिल्म की लीड एक्ट्रेस के किरदार का फर्स्ट लुक जारी करते हुए फैंस को उनसे रूबरू कराया है। ऋषभ शेट्टी की लिखित और निर्देशित यह फिल्म 2022 की ब्लॉकबस्टर कांतारा का प्रीक्वल है। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसने जमीनी स्तर की कहानी कहने की कला को नई परिभाषा दी और दुनिया भर के दर्शकों और आलोचकों से प्रशंसा अर्जित की है।

इस साल की शुरुआत में, मेकर्स ने ऋषभ शेट्टी के जन्मदिन पर उनका पहला लुक जारी किया था, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। इसके बाद, रैप-अप वीडियो ने फैंस के बीच उत्साह और उत्सुकता को और बढ़ा दिया। फैंस फिल्म के अपडेट के बारे में बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच, मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर खुलासा किया कि उनकी फिल्म में रुक्मिणी वसंत लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी।

मेकर्स ने रुक्मिणी का फर्स्ट लुक जारी किया। उन्होंने रुक्मिणी को कनकवती के किरदार में पेश किया है। उनका ये किरदार लोगों को काफी पसंद आया है। पोस्टर में, रुक्मिणी ने हरे और लाल रंग की साड़ी के साथ भारी आभूषण पहने नजर आ रही हैं। वह एक महल के अंदर खड़ी होकर मुस्कुरा रही हैं। इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने हिंदी, अंग्रेजी समेत अन्य भाषाओं में लिखा है, कनकवती का परिचय आपके लिए।

पिछले महीने, होम्बेल फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के एक नए पोस्टर के साथ फिल्म के समापन का एलान किया। मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, रैप अप। सफर शुरू होता है।

प्रस्तुत है कांतारा की दुनिया। इसके निर्माण की एक झलक। कांतारा चैप्टर 1 एक दिव्य यात्रा रही है, जो हमारी संस्कृति में गहराई से निहित है, और जिसे अटूट समर्पण, अथक परिश्रम और अद्भुत टीम भावना से जीवंत किया गया है। 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आप सभी को देखने का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि यह पौराणिक कहानी दुनिया भर के बड़े पर्दे पर दिखाई देगी।

कांतारा- चैप्टर 1 कर्नाटक के कदंब काल पर आधारित है। कदंब कर्नाटक के कुछ हिस्सों के महत्वपूर्ण शासक थे और उन्होंने इस क्षेत्र की वास्तुकला और संस्कृति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उस काल को भारतीय इतिहास का स्वर्णिम काल माना जाता है।

ऋषभ शेट्टी न केवल कांतारा के लीड एक्टर हैं, बल्कि फिल्म के निर्देशक और लेखक भी हैं। 2023 में शेट्टी ने एलान किया था कि दर्शकों ने जो देखा वह वास्तव में पार्ट 2 था और इसलिए, आगे जो रिलीज होगा वह कंतारा का प्रीक्वल होगा। फिलहाल, कंतारा चैप्टर 1 दुनिया भर में 2 अक्टूबर, 2025 को कन्नड़, तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम, बंगाली और अंग्रेजी में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुख्यमंत्री से सारकोट ग्राम प्रधान प्रियंका नेगी ने की भेंट

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सारकोट की ग्राम प्रधान प्रियंका नेगी ने भेंट की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट की ग्राम प्रधान प्रियंका नेगी ने भेंट की। उन्होंने भराड़ीसैंण से सारकोट के लिए सड़क की स्वीकृति और कार्य शुरू होने और विगत में सारकोट में हुए विभिन्न विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

सारकोट की ग्राम प्रधान ने इस अवसर पर गांव में जंगली जानवरों से सुरक्षा के लिए सोलर फेंसिंग की व्यवस्था, गांव से जुड़ने वाले आंतरिक मार्गों की अच्छी व्यवस्था, गांव की महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार से जोड़ने, गांव के रास्तों में सोलर लाइट की व्यवस्था करने और गांव से सबसे निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैरसैंण में बाल रोग और महिला रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति करने का उन्होंने अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सारकोट की ग्राम प्रधान को बधाई देते हुए कहा कि अवगत कराई गई सभी समस्यायों का उचित समाधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारियों और जिला प्रशासन को इन सभी समस्याओं के समाधान के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्य गांवों के लिए भी सारकोट आदर्श बनेगा। इस अवसर पर अपर सचिव मनमोहन मैनाली मौजूद थे।

भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस सेवा दल ने किया याद

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस सेवा दल ने भारत रत्न स्व. राजीव गांधी को उनकी जयंती पर याद कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां कांग्रेस सेवा दल के मनमोहन शर्मा ने बताया कि आज कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेस सेवा दल और कांग्रेस जन और सभी ने एक स्वर में भारत रत्न राजीव गांधी अमर रहे अमर रहे अमर रहे और जब तक सूरज चांद रहेगा राजीव तेरा नाम रहेगा नारों के साथ गूंजयमन रहा। भारत रत्न राजीव गांधी के चित्र पर सभी ने पुष्प अर्पित किए सेवादल टुकड़ी ने भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी को सेल्यूट किया।

मनमोहन शर्मा ने जयंती के अवसर में बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी ने कांग्रेस सेवा दल को कांग्रेस की न्यू मजबूत करते हुए प्रत्येक सदस्य और पदाधिकारी को सम्मान दिया और उन्हें प्रेरणा दी थी की सेवा दल कांग्रेस पार्टी की रीड की हड्डी है और हमें कांग्रेस पार्टी के लिए हमेशा समर्पित रहने का काम करना है। आज उनके पद चिन्हों पर कांग्रेस कार्य में समर्पित है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से पंडित मनमोहन शर्मा एडवोकेट मुख्य संगठक/उपाध्यक्ष राजकुमार, सचिव ललित थपलियाल, सावित्री थापा, मंजू चौहान, भूपेंद्र फरासी, जमाल, ललित प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

राजीव गांधी ने भारत के युवाओं को इक्कीसवीं सदी का सपना दिखाया: धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारत के युवाओं को इक्कीसवी सदी का सपना दिखाया और देश को सूचना प्रोद्यासेगिकी क्रांति का उपहार दिया।

आज यहां भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश के युवाओं को पहली बार इक्कीसवीं सदी का सपना दिखाया और देश को सूचना प्रोद्योगिकी क्रांति का जो उपहार दिया उसके परिणाम आज देश और दुनिया देख रही है कि भारत सूचना प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया में पहले पायदान पर है इसीलिए हम स्वर्गीय राजीव गांधी को सूचना प्रौद्योगिकी का जनक कहते हैं यह उद्गार आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 81 वीं जयंती के अवसर राजीव गांधी की प्रतिमा पर मालार्पण करने के पश्चात कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबंधित करते हुए किए। धस्माना ने कहा कि अपने पांच वर्ष के प्रधानमंत्री कार्यकाल में श्री राजीव गांधी ने देश के युवाओं को देश के नव निर्माण व देश की नीति निर्धारण की मुख्य धारा में लाने के लिए उनको अठारह वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार देने के साथ ही आधुनिक भारत के अभियान में लगाया। धस्माना ने कहा कि राज काज में महिलाओं की भागीदारी भी राजीव गांधी ने सुनिश्चित की व पंचायतों व निकायों में महिलाओं को आरक्षण जैसे क्रांतिकारी कदम उठाए। धस्माना ने कहा कि देश के संविधान में 73 वें व 74 वें संशोधन को देश हमेशा सुधारवादी कदम के रूप में याद रखेगा। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी आज भी देश के करोड़ों युवाओं व सभी कांग्रेस जनों की प्रेरणा स्रोत हैं। इस अवसर पर प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉक्टर हरक सिंह रावत ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि राजीव गांधी एक युग दृष्टा थे और उन्होंने देश को केवल पांच साल के प्रधानमंत्रित्व काल में जो नेतृत्व दिया उसको आज भी पूरा देश याद करता है। डॉक्टर हरक सिंह ने स्वर्गीय राजीव गांधी के साथ उनके प्रधानमंत्रित्व काल में श्रीनगर आगमन के संस्मरण साझा किए। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला, प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग अध्यक्ष मदन लाल, प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिनेश कौशल, प्रदेश महामंत्री गोदावरी थापली, प्रदेश महामंत्री जगदीश धीमान, प्रदेश अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार सरदार अमरजीत सिंह, प्रदेश प्रवक्ता सुजाता, प्रदेश प्रवक्त डॉक्टर प्रतिमा सिंह, श्रीमती आशा मनोरमा शर्मा, ललित भद्री, कोमल विहार, संगीता गुप्ता, गुल मोहम्मद, रितेश जोशी , गोपाल गड़िया,राम गोपाल वर्मा, अनुज दत्त शर्मा, श्रीमती पुष्पा पंवर, श्रीमती हेमलता नेगी, धर्मपाल घाघट, करण घाघट,आनंद सिंह पुंडीर आदि उपस्थित रहे।

पार्किंग से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पार्किंग से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टापी मौहल्ला सहसपुर निवासी फेरान ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां एक कम्पनी में किसी काम से आया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल कम्पनी के बाहर पार्किंग में खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस ने उत्तराखण्ड विरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा सरकार का पुतला फूंका

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की प्रदेश विरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा सरकार का पुतला फूंका।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार की उत्तराखण्ड विरोधी नीति के खिलाफ राज्यभर में जिला मुख्यालयों पर भाजपा सरकार का पुतला दहन किया गया। इसी कार्यक्रम के तहत प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला के नेतृत्व में देहरादून मुख्यालय में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा ऐस्लेहॉल चौक पर राज्य की भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत एवं प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकान्त धस्माना ने भी प्रतिभाग किया।

महिला कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राज्य की प्रस्तावित राजधानी गैरसैण में चल रहे वर्षाकालीन सत्र के दौरान धामी सरकार द्वारा विपक्ष की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है तथा विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे जनहित के मुद्दों पर राज्य की धामी सरकार चर्चा कराने से बच रही है जो कि लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने

राज्य की भाजपा सरकार पर उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन की भावना की पूरी तरह अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार राज्य की प्रस्तावित राजधानी गैरसैण में चल रहे वर्षाकालीन सत्र में विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाये जा रहे मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है जो उत्तराखण्ड राज्य के प्रति भाजपा की नीयत और नीतियों को दर्शाता है।

कांग्रेस ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली को राज्य निर्माण आन्दोलन की भावना के विपरीत बताते हुए गैरसैण राजधानी के मामले में भी भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल उठाये हैं। कांग्रेसजनों ने कहा कि भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली से न केवल राज्य निर्माण की भावनायें आहत हुई हैं अपितु राज्य निर्माण आन्दोलन के शहीदों और आन्दोलनकारियों का भी अपमान हुआ है।

गैरसैण राज्य निर्माण आन्दोलन की आत्मा कही जाती है जिसका सम्मान करते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा जनभावना को देखते हुए गैरसैण में विधानसभा सत्र आहुत करने की शुरूआत की गई थी परन्तु भाजपा सरकार द्वारा जिस प्रकार सदन में विपक्षी सदस्यों के द्वारा उठाये जा रहे जनसरोकार के मामलों को अनदेखा किया जा रहा है वह स्वस्थ लोकतंत्र की परम्परा के भी विपरीत है जिसका कांग्रेस पार्टी पुरजोर विरोध करती है।

सीएम धामी ने सुबह गैरसैण इ्यूटी में तैनात सुरक्षाकर्मियों से की मुलाकात

हमारे संवाददाता

गैरसैंण। विधानसभा सत्र के मद्देनजर तैनात सुरक्षा बलों का आज सुबह भ्रमण के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने हालचाल जाना। इस दौरान अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों से संवाद करते हुए उनके आवास, भोजन, विश्राम और अन्य

❑सुरक्षाबलों का हालचाल जाना व सेवाभाव को सराहा

आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली।

कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम में भी ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल के साहस और समर्पण की प्रशंसा की गई। अधिकारियों ने कहा कि विषम हालात में भी जिस तरह सुरक्षाकर्मी अनुशासन और निष्ठा के साथ अपना दायित्व निभा रहे हैं, वह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इसके साथ ही धराली जैसे आपदा-प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में भी पुलिस बल द्वारा किए गए कार्यों की विशेष सराहना की गई। विपरीत परिस्थितियों में उनकी अनुकरणीय कार्यक्षमता और सेवाभावना ने पूरे पुलिस बल की कार्यदक्षता को एक नई पहचान दी है। इस मौके पर सुरक्षाकर्मियों को आश्वासन दिया गया कि उनके हितों और सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि वे पूरी निष्ठा के साथ राज्य की सेवा कर सकें।

साहिल की हत्या पर सीएम धामी ने की हरियाणा के सीएम सैनी से वार्ता

देहरादून (सं)। अंबाला में उत्तराखंड के युवक साहिल बिष्ट की हत्या की घटना पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से दूरभाष पर वार्ता की। मुख्यमंत्री धामी ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी एवं कठोरतम दंड सुनिश्चित किए जाने का अनुरोध किया। इस पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आश्वस्त किया कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और पुलिस को शीघ्र कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार इस पूरे मामले में हर संभव कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री धामी ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड सरकार न्याय की इस लड़ाई में उनके साथ है तथा परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता पर हमला

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान हमला हुआ, यह घटना मुख्यमंत्री आवास परिसर में घटी, जब वह आम जनता की समस्याएं सुन रही थीं। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी की पहचान 35 वर्षीय युवक के रूप में हुई है, जिसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

वहीं इस घटना पर दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा, 'यह बहुत दुखद है। मुख्यमंत्री पूरी दिल्ली का नेतृत्व करती हैं और मुझे लगता है कि ऐसी घटनाओं की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है लेकिन यह घटना महिला सुरक्षा की पोल भी खोलती है। अगर दिल्ली की मुख्यमंत्री ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी या आम महिला कैसे सुरक्षित रह सकता है।

जनसुनवाई के दौरान मौके पर मौजूद अंजलि ने कहा, यह गलत है। जनसुनवाई का अधिकार सभी को है। अगर कोई धोखेबाज उन्हें थप्पड़ मार सकता है, तो यह बहुत बड़ी बात है, मैं वहीं थी, वह व्यक्ति बोल रहा था और उसने अचानक थप्पड़ मार दिया। पुलिस उसे ले गई है।मुख्यमंत्री पर हमले की घटना को लेकर आम आदमी पार्टी ने निंदा की है।

दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।' दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, मुख्यमंत्री रेखा पर हमला विपक्ष की साजिश है क्योंकि उन्हें दिल्ली की चिंता है।

मेडिकल संचालक व नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 480 नशीले कैप्सूल व तस्करी में प्रयुक्त बाइक के साथ ही उसे नशा कैप्सूल देने वाले मेडिकल संचालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना लक्सर पुलिस ने एक सूचना के बाद क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया हुआ था। इस दौरान पुलिस को बाइक सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 480 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम नईम बताया। बताया

❑480 नशीले कैप्सूल व बाइक बरामद

कि वह इन नशीले कैप्सूल को पुहाना भगवनापुर के एक मेडिकल स्टोर से लाया था। जिस पर पुलिस ने आज सुबह मैडिकल संचालक अदनान को भी गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

योग ट्रेनर हत्याकाण्ड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। योग ट्रेनर हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने योग सेन्टर के मालिक के भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 3 अगस्त को दीपा मेर पत्नी प्रेम सिंह मेर निवासी हल्दुचौड़ तुलारामपुर थाना लालकुआं द्वारा थाना मुखानी में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी पुत्री ज्योति मेर पत्नी कमल सबलानी निवासी जोधपुर राजस्थान जो कि वर्तमान में जे.के. पुरम छोटी मुखानी में आशा पाण्डे के घर में तीसरी मंजिल में रहकर अजय योगा एंड फिटनेस सेन्टर, झटड स्कूल के पास मुखानी मे महिला योगा ट्रेनर की जॉब करती थी। उन्होने अपनी पुत्री की हत्या का शक सेन्टर के मालिक अजय यदुवंशी व उसके छोटे भाई अभय यदुवंशी (राजा) पर

लगाया। जांच के दौरान पुलिस को सीसी कैमरे खंगालने पर पता चला कि घटना के समय एक संदिग्ध व्यक्ति घटनास्थल से बाहर निकलता दिखायी दे रहा है। जिसकी पहचान अभय कुमार उर्फ राजा पुत्र अरूण कुमार यादव निवासी गोल चौक वाल्मिकि नगर थाना वाल्मिकि नगर जिला पश्चिमी चम्पारण बिहार व हाल अजय योगा एंड फिटनेस सेन्टर, झटड स्कूल के पास के रूप में हुई। जिस पर पुलिस ने बीती शाम नगला तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि हल्द्वानी में चन्दन डायग्नोसिस के टाप फ्लोर में उसके बड़े भाई का अजय फिटनेस योगा सेन्टर नाम से एकेडमी है जिसे आरोपी का बड़ा भाई अजय व अभय चलाते थे योगा सेन्टर में मेनेजमेन्ट के सारे काम अभय देखता था। उक्त सेन्टर में ज्योति मेर भी काम करती थी। इसी दौरान ज्योति और अजय की बीच अवैध सम्बन्धों के चलते अजय ने अपने भाई अभय को खर्चा देना बंद कर दिया और उसको अपने घर से निकाल दिया। आक्रोश में आकर अभय ने ज्योति के कमरे में रखे उसके दुपट्टे से पीछे से जाकर गला दबाकर हत्या कर दी तथा हत्या करने के पश्चात अभय टैक्सी से बनबसा तथा वहां से नेपाल चला गया। बहरहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिया से नीचे नाले में गिरीं दो कार, ग्रामीणों ने बचाई जान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। लक्सर-बिजनौर स्टेट हाईवे पर आज सुबह हुए एक सड़क हादसे में अकोढ़ा कला गांव के पास दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहन पुलिया तोड़ते हुए नीचे नाले में जा गिरे। एक कार गहरे पानी में समा गई। गनीमत रही कि समय रहते ग्रामीणों ने कार सवारों को निकाल लिया, वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। हादसे में एक चालक घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एक कार लक्सर से अमरोहा की ओर जा रही थी जबकि दूसरी रायसी से

लक्सर की ओर आ रही थी। अकोढ़ा गांव के पास बने नाले की पुलिया पर दोनों कारों की रफ्तार इतनी तेज थी कि ड्राइवर संभल नहीं पाए और आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों कारें पुलिया से नीचे जा गिरीं। इनमें से एक कार नाले में पूरी तरह पानी में समा गई। हादसा देखते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े। उन्होंने पहले तो नाले में समाई कार का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद खिड़की और छत से किसी तरह चालक को बाहर निकाला गया। दूसरी कार के सवार स्वयं बाहर निकलने में सफल रहे। सूचना मिलते ही लक्सर कोतवाली पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से दोनों कारों को नाले से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि सभी कार सवार सुरक्षित हैं। वहीं एक घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भेजा गया है। दुर्घटना के बाद कुछ देर हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही, लेकिन वाहनों को हटाने के बाद यातायात सुचारू कर दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।